चित्रकार कृष्ण कन्हाई

'पद्मश्री' राष्ट्रपति द्वाराप्रदत्त,२००४

राष्ट्रीय कालीदास सम्मान, मध्य प्रदेष सरकार द्वारा, २००९.१०

यष भारती सम्मान उत्तर प्रदेष सरकार द्वारा,२०१५

पिता एवंगुरू	:-	पद्मश्री स्व० श्री कन्हाई चित्रकार
जन्म	:-	२१अगस्त१९६१
पता	:-	नन्दनवन, रमणरेती, वृन्दावन-२८११२१ जिला-मथुरा (उत्तर प्रदेष)
मो. नम्बर	:-	09412277664, 09568501000
Email	:-	krishnkanhaivbn@gmail.com

कृष्ण कन्हाई एक जाने-माने चित्रकार हैं तथा भारत में और विदेषों में पारंपरिक, आधुनिक, लोक एवं यथार्थवादी षैली की चित्रकारी के लिए प्रसिद्ध हैं।

आपने अपने सुविख्यात चित्रकार पिता पद्मश्री श्री कन्हाई जी के मार्ग दर्षन में राधा-कृश्ण के चित्रों की पारंपरिक कला में महारथ हासिल की है। आपने अपनी कला में ३डी प्रभाव लाने के अनेक नये प्रयोग किये तथा पारम्परिक एवं आधुनिकता का समावेष किया। जिसमे राधा-कृश्ण के चित्रों को कन्हाई षैली के नाम से प्रसिद्धी मिली। आपने चित्रकारी, रंग भरने तथा मणिं जड+ ने की कलाओं में विषेषज्ञता प्राप्त की है। आपकी कला की मुख्य विषय-वस्तु भगवान श्री कृष्ण एवं राधा हैं। कृष्ण कन्हाई जी ने अपनी कला यात्रा १५ वर्ष की छोटी उम्र से प्रारम्भ की थी।

आपने उत्तर भारत में लुप्त प्राय: राधा-कृष्ण एवं उनकी लीलाओं पर आधारित-हजारों चित्र बनाये हैं जिनमें सुन्दर भाव भंगिमाओं के साथ-साथ षुद्ध सोने का काम तथा बहुमूल्य नगों का प्रयोग किया।

आपने लोक विषयों पर चित्र बनाना षुरू किया तथा अपनी स्वयं की एक षैली यमुना घाट विकसित की जिसमें ग्रामीण बृज एक दम संजीव हो उठा है इन कला कृतियों को कला पारखियों एवं मीडिया ने बहुत सराहा। कृष्णा जी ने अपनी चित्रों में भारतीय ग्रामीण परिवेष को भी बखूबी उकेरा है, जिनमें भारत की माटी की सुगन्ध आती है।

आपने भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का आदमकद पोर्ट्रेट बनाया जो संसद भवन के सेन्ट्रल हॉल में लगाया गया, १२ फरवरी २०१९ को इस चित्र का अनावरण महामहिम राश्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की उपस्थिति में किया इस अवसर पर राश्ट्रपति जी ने कृश्ण कन्हाई का सॉल उढाकर सम्मान किया।

आपने अपने गुरू पिता श्री कन्हाई जी से यर्थाथवादी षैली में पोर्ट्रेट बनाने की षिक्षा ली तथा पहला पोर्ट्रेट २० वर्श की आयु में बनाया बाद में देष-विदेष की बहुत सी हस्तियों के चित्र बनाये जिनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति विल क्लिंटन , पूर्व प्रधानमंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू , पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह, पूर्व प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व उप प्रधान मंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी, उ० प्र० के वर्तमान मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायाम सिंह यादव, पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेष यादव, सहित प्रसिद्ध सिने कलाकार सांसद श्रीमती हेमा मालिनी तथा देष के प्रख्यात उद्योगपति श्री आदित्य बिरला एवं राजश्री बिरला सहित अनेक महान विभूतियों के पोर्ट्रेट भी बनाये हैं।

पोर्ट्रेट पेंटिंग्स के क्षेत्र में आपकी कला की लोक प्रियता इतनी बढ+ी कि पूर्व प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी आग्रह पर एक पोर्ट्रेट आपने विल क्लिंटन तथा हिलेरी क्लिंटन का बनाया जिसे उन्होने स्वयं सितम्बर २००० में अपने अमेरिका यात्रा के दौरान क्लिंटन दंपत्ति को भेंट किया।

२०१६ में इन्होंने उ० प्र० सरकार के आग्रह पर देष की आजादी से आज तक उत्तर प्रदेष के सभी २२ मुख्यमंत्रीयों के आदमकद पोर्ट्रेट यर्थाथवादी षैली में बनाये तथा साथ ही १९ पोर्ट्रेट विधान सभा अध्यक्षों के तथा एक पोर्ट्रेट राश्ट्रपिता महात्मा गांधी का भी बनाया।

षायद देष के इतिहास मे पहली बार किसी चित्रकार ने एक साथ इतने पोर्ट्रेट महान विभूतियों के बनाये हैं, जिनमें से दो देष के प्रधान मंत्री भी हुऐ है, ये सभी चित्र विधान सभा मैं पोर्ट्रेट गैलरी की षोभा बढ+ा रहे है तथा एक महत्मा गांधी का आदमकद चित्र उ० प्र० विधान सभा के सदन की षोभा बढा रहा है इस चित्र का अनावरण महामहिम राज्यपाल श्री रामनायक जी द्वारा किया गया।

चित्रकला के इतिहास में कृश्ण कन्हाई के योगदानको देखते हुए २००४ में भारत सरकार ने इन्हें **पद्मश्री** से अलकृत किया, म० प्र० सरकार ने २००९ . १० के लिये इन्हें **राश्ट्रीय काली दास सम्मान** से सम्मानित किया तथा २०१५ में उ० प्र० सरकार ने इन्हें **यष भारती** सम्मान से नवाजा। इसके अलावा इनको प्रदेष एवं देष की विभिन्न संस्थाओं ने सम्मानित किया।

आपने नये प्रयोग करके फ्यूजन पेंटिग्स तथा मार्डन पेंटिग्स भी बनायी जो आज के समय की मांग है ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है कि एक कलाकार पारम्परिक, फ्यूजन, पोट्रेट, यथार्थवादी तथा आधुनिक सभी तरह की कला में पारगंत हो, आपने नेषनल इस्टीट्रट ऑफ टेक्नेग्लोजी (निफ्ट) के लिये वस्त्रों पर भी चित्रकारी की बाद में इनको वेस्ट कॉस्ट्यम का अवार्ड भी मिला।

आपके चित्रों की प्रसिद्धी इतनी हुई कि भीमरॉव अम्बेडकर विष्वविद्यालय, आगरा की एक छात्रा संगीता गुप्ता ने २००४ में आपके पिता श्री कन्हाई जी पर पी०एच०डी० की तथा जीवा जी रॉव विष्वविद्यालय, ग्वालियर के एक छात्र मो० वसीम भी कृश्ण कन्हाई जी पर पी० एच० डी० की हैं, जिसका विशय **कृश्ण कन्हाई की कला यात्रा** है।

आपने अपनी कला को धरोहर रखने के लिये आपने वृन्दावन में एक **''कन्हाई आर्ट गैलरी ''**का निर्माण भी किया है। देष-विदेष मे इनके चित्रों की १५ से ज्यादा प्रदर्षिनी लग चुकी है। कृश्ण कन्हाई की कला यात्रा अभी जारी है।